अनेकांत एज्युकेशन सोसाइटी

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी विभाग

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला प्रोग्राम हिंदी में

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला (हिंदी) सेमेस्टर-I

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2019 पैटर्न)
शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक : स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला (हिंदी)

Programme Outcomes (PO)

Program Outcomes (POs) for M.A. Programme

PO1	**अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :** वैज्ञानिक साहित्य का अनुमान लगाएं, जांच की भावना पैदा करें और परिकल्पना और शोध प्रश्नों को तैयार करने, परीक्षण करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और स्थापित करने में सक्षम हों और उत्तर खोजने के लिए प्रासंगिक स्रोतों की पहचान करना और उनसे परामर्श करना। शिक्षा विदों और अनुसंधान नैतिकता, वैज्ञानिक आचरण पर जोर देते हुए और बौद्धिक संपदा अधिकारों और मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करते हुए एक शोधपत्र/परियोजना की योजना बनाने और लिखने में सक्षम बने।
PO2	**प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :** सहानुभूतिपूर्ण सामाजिक चिंता और समानता केंद्रित राष्ट्रीय विकास का प्रदर्शन करें और नैतिक और नैतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता के साथ कार्य करें और पेशेवर नैतिकता और जिम्मेदारी के लिए प्रतिबद्ध हों।
PO3	**सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :** समूह सेटिंग्स में दूसरों के विचारों को समायोजित करने और अपनी राय और जटिल विचारों को लिखित या मौखिक रूप में स्पष्ट और संक्षिप्त तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता प्रदर्शित करें। विचारों और विचारों को लिखित और मौखिक रूप से प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करें, उचित मीडिया का उपयोग करके दूसरों के साथ संवाद करें, वैश्विक दक्षताओं को पूराकरने के लिए प्रभावी इंटरैक्टिव और प्रस्तुतीकरण कौशल का निर्माण करें। दूसरों के विचार प्राप्त करें, जटिल जानकारी को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करें और समझने में मदद करें।
PO4	**अनुशासनात्मक ज्ञान :** पारंपरिक अनुशासन ज्ञान और आधुनिक दुनिया में इसके अनुप्रयोगों का मिश्रण प्रदर्शित करें। मजबूत सैद्धांतिक क्रियान्वित करें और चुने गए कार्यक्रम से उत्पन्न व्यावहारिक समझ विकासित करें।
PO5	**व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :** परिभाषित उद्देश्यों को पूरा करने और अंतः विषय क्षेत्रों में काम करने के लिए एक टीम के हिस्से के रूप में स्वतंत्र रूप से और सहयोगात्मक रूप से प्रदर्शन करें। पारस्परिक संबंध, आत्म-प्रेरणा और अनुकूलनशीलता कौशल निष्पादित करें और प्रतिबद्ध रहें।
PO6	**स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :** सामाजिक-तकनीकी परिवर्तनों के व्यापक संदर्भ में आत्म-निर्धारित लक्ष्यों को उत्साहपूर्वक प्राप्त करनेवाले जीवनभर सीखनेवाले बने रहने के दृष्टिकोण का प्रदर्शन करें। व्यापक संदर्भ में स्वतंत्र और जीवनभर सीखने में संलग्न रहने कीक्षमता हासिल करें।
PO7	**पर्यावरण और स्थिरता :** सामाजिक और पर्यावरणीय संदर्भों में वैज्ञानिक समाधानों के प्रभाव को समझें और टिकाऊपन के ज्ञान और आवश्यकता को प्रदर्शित करें।
PO8	**आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :** अपने आस-पास की स्थितियों की बारीकी से जांच करके समस्याओं की पहचान करें और घटनाओं के बारे में समग्र रूप से सोचें और इन समस्याओं का व्यवहार्य समाधान निकालें। आलोचनात्मक सोच के कौशल का प्रदर्शन करें और वैज्ञानिक ग्रंथों को समझें और वैज्ञानिक बयानों और विषयों को संदर्भों में रखें और सामान्य सम्मेलनों के संदर्भ में उनका मूल्यांकन भी करें। स्थिति को बारीकी से देखकर समस्या को पहचान लें कार्रवाई और पार्श्वसोच और विश्लेषणात्मक कौशल को लागू करें।

Course Structure for M .A.-I, Hindi (2019 Pattern)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
I	Major (Mandatory)	HIN4101	प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN4102	आधुनिक हिंदी कथा साहित्य	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN4103	भारतीय साहित्यशास्त्र	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN4104	विशेष साहित्यकार : कबीर	Theory	04
			Total Credits Semester- I		**16**

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला HINDI [M.A.-I]

SEMISTER – I

प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य

PAPER CODE : HIN4101

(2019-2020)

(2019 Pattern)

Name of the Programme: M.A. Hindi

Program Code : HIN

Class : M. A. - I

Semester : I

Course Type : Major Mandatory

Course Name : **प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य**

Course Code : HIN4101

No. of Lectures : 60

No. of Credits : 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी साहित्य की आदिकालीन तथा भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना ।
2. छात्रों को प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य–कृतियों का परिचय कराना।
3. प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों की काव्य कला से छात्रों को अवगत कराना।
4. छात्रों को हिंदी की प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य परंपरा से परिचित कराना।
5. छात्रों को प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी भाषा से अवगत कराना।
6. छात्रों में प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य अध्ययन के माध्यम से समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।
7. प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य का रसास्वादन कराना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र हिंदी साहित्य के प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य से परिचित होंगे।

CO2-छात्रों में साहित्य के द्वारा नैतिक मूल्य आत्मसात होंगे।

CO3-भक्ति तथा प्रेम का महत्व आत्मसात होंगा।

CO4-मध्ययुगीन संस्कृति से परिचित करना।

CO5-मध्ययुगीन कवियों के भाषा से परिचित करना।

CO6-मध्ययुगीन कवियों के विचार पढ़कर भावग्रहण तथा रस ग्रहण की क्षमता निर्माण होंगी।

CO7-मध्ययुगीन कवियों के वीर काव्य से परिचित करना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. पी. पी. टी. /भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।
6. अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र 1 : सामान्य स्तर

प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य

(अमीर खुसरो तथा जायसी)

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

अ) अमीर खुसरो – श्रेयांक/कर्मांक = 02

आ) जायसी – श्रेयांक/कर्मांक = 02

(प्रत्येक प्रश्नपत्र के श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट = 04)

पाठ्यपुस्तकें :

1) अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य

संपादक : डॉ. भोलानाथ तिवारी

प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन, आसफ अली रोड, नई दिल्ली – 110 002

ससंदर्भ व्याख्या के लिए रचनाएँ :

अ) पहेलियाँ –

1. अंतर्लिपिका – 1, 4, 12, 15, 17, = 05
2. बहिर्लिपिका – 13, 18, 20, 21, 23 = 05

आ) मुकरियाँ – 7, 9, 11, 15, 19, = 05

इ) गीत – 2, 5, 7 = 03

2) पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी

संपादक : वासुदेवशरण अग्रवाल

प्रकाशक : साहित्य सदन, चिरगाँव झाँसी

ससंदर्भ व्याख्या के लिए खंड़ :

1)नागमति वियोग खंड़

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

अध्ययनार्थ विषय :

1. अमीर खुसरो–व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. अमीर खुसरो के गीतों में संवेदनशीलता
3. अमीर खुसरो की पहेलियों में लोकरंजकता
4. अमीर खुसरो का खड़ीबोली हिंदी के विकास में योगदान
5. अमीर खुसरो की भाषा तथा काव्य कला
6. अमीर खुसरो के काव्य की देन

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

7. जायसी व्यक्तित्व एवं कृतित्व
8. पद्मावत में प्रेम भाव
9. पद्मावत में सौंदर्य वर्णन
10. पद्मावत में विरह वर्णन
11. पद्मावत में प्रकृति चित्रण

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

12.पद्मावत में चरित्र–चित्रण
13.पद्मावत की महाकाव्यात्मकता

संदर्भ ग्रंथ :

1. अमीर खुसरो – डॉ. हरदेव बाहरी
2. खुसरो की हिंदी कविता– ब्रजरत्न दास
3. जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन – प्रो. हरेंद्रप्रताप सिन्हा
4. महाकवि जायसी और उनका काव्य – डॉ. इकबाल अहमद
5. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ. शिवसहाय पाठक
6. जायसी पद्मावत काव्य और दर्शन – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
7. पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
8. पद्मावत का काव्य सौंदर्य – डॉ. चंद्रबली पाण्डेय
9. हिंदी के प्रतिनिधि कवि – डॉ. सुरेश अग्रवाल

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - I) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN4101

Tittle of Course : प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1			2						
CO 2		2							
CO 3			2						
CO 4				3		2			
CO 5									
CO 6					3				
CO 7					3	3			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO2- छात्रों में साहित्य के द्वारा नैतिक मूल्य आत्मसात होंगे ।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO1-छात्र हिंदी साहित्य के प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य से परिचित होंगे।

CO3- भक्ति तथा प्रेम का महत्व आत्मसात होगा।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO6-मध्ययुगीन कवियों के विचार पढ़कर भावग्रहण तथा रस ग्रहण की क्षमता निर्माण होंगी।

CO7-मध्ययुगीन कवियों के वीर काव्य से परिचित होंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO7- मध्ययुगीन कवियों के वीर काव्य से परिचित करना।

CO6-- मध्ययुगीन संस्कृति से परिचित करना।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला HINDI [M.A.-I]

SEMISTER – I

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

PAPER CODE : HIN4102

(2019-2020)

(2019 Pattern)

Name of the Programme : M.A. Hindi
Program Code : HIN
Class : M. A. - I
Semester : I
Course Type : Major Mandatory
Course Name : आधुनिक हिंदी कथा साहित्य
Course Code : HIN4102
No. of Lectures : 60
No. of Credits : 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
2. प्रमुख गद्य विधाओं के विकासक्रम की जानकारी देना।
3. विधा विशेष के तात्विक स्वरूप परिचय देना।
4. ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझाने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
5. रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।
6. गद्य विधा के माध्यम से विभिन्न परिस्थितियों से रूबरू करना।
7. गद्य साहित्य के प्रति रुचि को बढ़ावा देना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- पढ़ी–सुनी रचनाओं को जानने समझने तथा अभिव्यक्त करने में सहायता मिलेंगी।
CO2-छात्रों में साहित्य के द्वारा मानवीय मूल्य विकसित होंगे।
CO3-गद्य विधाओं को पढ़कर समझ निर्माण होंगी और उसका आनंद उठाने में सहायता मिलेंगी।
CO4-गद्य विधाओं को पढ़कर लेखन क्षमता विकसित होंगी।
CO5-गद्य विधाओं में चित्रित हिंदी की अन्य भाषा तथा बोली से परिचित करना।
CO6-गद्य विधाओं को पढ़कर राष्ट्रप्रेम तथा राष्ट्रभक्ति विकसित होंगी।
CO7-गद्य विधाओं को पढ़कर भावग्रहण तथा रस ग्रहण की क्षमता निर्माण होंगी।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

प्रश्नपत्र 2 : विशेष स्तर
आधुनिक हिंदी कथा साहित्य
(उपन्यास और कहानी)
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक / कमांक / क्रेडिट= 04)

पाठ्यपुस्तकें :

1) उपन्यास – 'छप्पर' : डॉ. जयप्रकाश कर्दम
प्रकाशक : राधाकृष्ण प्रकाशन, जी–17, जगत पुरी, दिल्ली – 92

2) हिंदी की श्रेष्ठ कहानियाँ
संपादक – डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. विठ्ठलसिंह ढाकरे
प्रकाशक : अरुणोदय प्रकाशन, 21–ए अंसारी रोड़, दरियागंज, नई दिल्ली– 02

(प्रत्येक प्रश्नपत्र के श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट = 04)

अध्ययनार्थ विषय :

1. हिंदी उपन्यास विधा का विकास
2. दलित उपन्यास का सामान्य परिचय
3. विवेच्य रचनाकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
4. 'छप्पर' : तात्विक विवेचन

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

5. 'छप्पर' : संवेदनाएँ
6. 'छप्पर' : विभिन्न समस्याएँ
7. 'छप्पर' : पात्रों का चरित्रचित्रण
8. 'छप्पर' : शिल्प पक्ष
9. 'छप्पर' : शीर्षक की सार्थकता

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

अध्ययनार्थ विषय :

1. हिंदी कहानी विधा का विकास
2. कहानी विधा के तत्व तथा आलोचना : हिंदी की श्रेष्ठ कहानियों के संदर्भ में

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

हिंदी की श्रेष्ठ कहानियाँ

1. 'पुरस्कार' – जयशंकर प्रसाद
2. 'उसकी माँ'– पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'
3. 'हंसा जाई अकेला' – मार्कण्डेय
4. 'वह क्या था ?' – हरिशंकर परसाई
5. 'सज़ा' – मन्नू भंडारी
6. 'वह मैं ही थी' – मृदला गर्ग
7. 'लिटरेचर' – संजीव
8. 'मुंबई कांड' – ओमप्रकाश वाल्मीकि

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. अट्ठारह उपन्यास : राजेंद्र यादव
2. हिंदी उपन्यास : सौ वर्ष – संपा. रामदरश मिश्र
3. समकालीन हिंदी उपन्यास – डॉ. विवेकी राय
4. उपन्यास : स्थिति और गति – डॉ. चंद्रेकांत बांदिवडेकर
5. आज का हिंदी उपन्यास – डॉ. इंद्रनाथ मदान
6. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यासों की शिल्पविधि : डॉ. सत्यपाल चुघ
7. नई कहानी का स्वरूप विवेचन – डॉ. इंदु रश्मि
8. नई कहानी के विविध प्रयोग – शषिभूषण पाण्डेय शीतांषु
9. समकालीन हिंदी कहानी – डॉ. पुष्पपाल सिंह
10. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
11. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी
12. भीष्म साहनी के साहित्य का अनुशीलन– डॉ. सुरेश बाबर
13. उत्तरशती का हिंदी साहित्य– संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन
14. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य – डॉ. राजेंद्र खैरनार
15. हिमांशु जोशी का कथा साहित्य – डॉ. अनिल साळुंखे

———————

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - I) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN4102

Tittle of Course : आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					3				
CO 2		3							
CO 3									
CO 4	3					2			
CO 5					3	3			
CO 6						3			
CO 7						3			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO4-गद्य विधाओं को पढ़कर लेखन क्षमता विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO2- छात्रों में साहित्य के द्वारा मानवीय मूल्य विकसित होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO5-गद्य विधाओं में चित्रित हिंदी की अन्य भाषा तथा बोली से परिचित करना।

CO1- पढ़ी-सुनी रचनाओं को जानने समझने तथा अभिव्यक्त करने में सहायता मिलेंगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO4-गद्य विधाओं को पढ़कर लेखन क्षमता विकसित होंगी।

CO5-गद्य विधाओं में चित्रित हिंदी की अन्य भाषा तथा बोली से परिचित करना।

CO6-गद्य विधाओं को पढ़कर राष्ट्रप्रेरम तथा राष्ट्रभक्ति विकसित होंगी।

CO7- गद्य विधाओं को पढ़कर भावग्रहण तथा रस ग्रहण की क्षमता निर्माण होंगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला HINDI [M.A.-I]

SEMISTER – I

भारतीय साहित्यशास्त्र

PAPER CODE : HIN4103

(2019-2020)

(2019 Pattern)

Name of the Programme : M.A. Hindi
Program Code : HIN
Class : M. A. - I
Semester : I
Course Type : Major Mandatory
Course Name : भारतीय साहित्यशास्त्र
Course Code : HIN4103
No. of Lectures : 60
No. of Credits : 04

a) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र का परिचय देना।
2. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित कराना।
3. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान कराना।
4. साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से छात्रों को अवगत कराना।
5. छात्रों को साहित्यशास्त्रीय चिंतन से परिचित कराना।
6. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य–वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
7. छात्रों को साहित्यशास्त्रीय समीक्षा का महत्व अवगत कराना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।

CO2-छात्र भारतीय साहित्यशास्त्र के विविध विद्वानों से परिचित होंगे।

CO3-छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

CO4-भारतीय साहित्यशास्त्र और साहित्य का सहसंबंध से परिचित होंगे।

CO5-भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों को पढ़कर छात्रों में चिंतन–मनन करने की क्षमता विकसित करना।

CO6-छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।

CO7-छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र का महत्व से रूबरू करना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. पी. पी. टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

प्रश्नपत्र 3 : विशेष स्तर
भारतीय साहित्यशास्त्र
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कमांक/क्रेडिट= 04)

अध्ययनार्थ विषय :

1. रस सिद्धांत :
   रस का स्वरूप, भरतमुनि का रससूत्र, रस के अवयव (अंग), रस निष्पत्ति संबंधी भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक तथा अभिनव गुप्त द्वारा की गई व्याख्याओं का विवेचन, साधारणीकरण की अवधारणा, करुण रस का आस्वाद।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

2. अलंकार सिद्धांत :
   अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा, अलंकार सिद्धांत का स्वरूप, अलंकार और अलंकार्य, अलंकार और रस, काव्य में अलंकार का स्थान।

(तासिकाएँ 09 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट –)

+

3. रीति सिद्धांत :
   रीति शब्द की व्युत्पत्ति, रीति की परिभाषा, रीति संप्रदाय, रीति भेद, रीति और गुण, रीति और शैली।

(तासिकाएँ 06 = 15 घंटे श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट – 01)

4. ध्वनि सिद्धांत :
   ध्वनि शब्द की व्युत्पत्ति, ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि और स्फोट सिद्धांत, ध्वनि और शब्द–शक्ति, ध्वनि सिद्धांत का महत्व।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट – 01)

5. वक्रोक्ति सिद्धांत :
   वक्रोक्ति की परिभाषा, आचार्य कुंतक पूर्व वक्रोक्ति विचार, वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप, वक्रोक्ति के भेदों का सोदाहरण परिचय, वक्रोक्ति का महत्व।

(तासिकाएँ 08 घंटे श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट –) +

6. औचित्य सिद्धांत :
   औचित्य का स्वरूप, आचार्य क्षेमेन्द्र पूर्व औचित्य विचार, आचार्य क्षेमेन्द्र का औचित्य विचार, औचित्य के भेद, अन्य सिद्धांतों के संदर्भ में औचित्य का महत्व।

(तासिकाएँ 07 = 15 घंटे श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. काव्यशास्त्र की रूपरेखा– डॉ. रामदास भारद्वाज
2. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. कृष्णदेव षर्मा
3. काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र
4. भारतीय काव्यशास्त्र –डॉ. विजयपाल सिंह
5. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य–चिंतन– डॉ. सभापति मिश्र
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ. बच्चन सिंह
7. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ. सुरेशकुमार जैन. प्रा. महावीर कंड़ारकर
8. साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत– डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
9. रीतिकाव्य की भूमिका– डॉ. नगेंद्र
10. भारतीय काव्यशास्त्र–(खंड़–1 और 2)– आचार्य बलदेव उपाध्याय
11. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
12. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. तेजपाल चौधरी
13. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र– प्रो. हरिमोहन

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - I) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN4103

Tittle of Course : भारतीय साहित्यशास्त्र

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1						2			
CO 2									
CO 3	3								
CO 4									
CO 5					3				
CO 6		3							
CO 7						3			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO3-छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO6-छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे ।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO5-.भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों को पढ़कर छात्रों में चिंतन-मनन करने की क्षमता विकसित करना।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO7-छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र का महत्व से रूबरू करना।

CO1- छात्र भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला HINDI [M.A.-I]

SEMISTER – I

विशेष साहित्यकार : कबीर

PAPER CODE : HIN4104

(2019-2020)

(2019 Pattern)

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**:** HIN
Class	**:** M. A. - I
Semester	**:** I
Course Type	**:** Major Mandatory
Course Name	**: विशेष साहित्यकार : कबीर**
Course Code	**:** HIN4104
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत करना।
2. कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिंदी को उनके प्रदेय की जानकारी देना।
3. छात्रों को कबीर की काव्यगत शक्ति और सीमाओं से परिचित कराना।
4. छात्रों को कबीर के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत कराना।
5. कबीर की काव्य भाषा का परिचय देना।
6. कबीर के साहित्य में चित्रित नैतिक मूल्यों का परिचित करना।
7. कबीर के रहस्यवाद और दार्शनिकता रूबरू करना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।

CO2-छात्र तत्कालीन परिस्थितियों से परिचित होंगे।

CO3-कबीर की काव्य भाषा से परिचित होंगे।

CO4-छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।

CO5-छात्रों की काव्य के प्रति रुचि बढ़ेंगी।

CO6-कबीर के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत होंगे।

CO7-हिंदी साहित्य में कबीर के महत्व से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग।
4. दोहों और पदों की प्रस्तुति।
5. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र 4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यग्रंथ :

कबीर ग्रंथावली – संपादक : श्यामसुदंर दास
प्रकाषक : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

ससंदर्भ व्याख्या के लिए केवल निम्नलिखित छंद :

1. गुरुदेव कौ अंग : 3, 14, 15, 21, 33 = 05
2. विरह कौ अंग : 5, 6, 11, 14, 22 = 05
3. परचा कौ अंग : 17, 21, 35, 39, 45 = 05

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

4. काल कौ अंग : 1, 13, 14, 15, 20 = 05
5. पद : 1, 11, 55, 92, 111, 117, 180, 331, 338, 402 = 10

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

अध्ययनार्थ विषय :

1. निर्गुण काव्यधारा के प्रमुख कवि : संत कबीर
2. कबीर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
3. कबीर के धार्मिक विचार
4. कबीर काव्य में विद्रोह
5. समाज सुधारक के रूप में कबीर

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

6. कबीर का प्रेम तत्व और विरह भावना
7. कबीर का रहस्यवाद
8. कबीर के राम
9. कबीर की दार्शनिकता– ब्रह्म, जीव, माया, जगत, मोक्ष
10. कबीर की उलटबासियॉ और प्रतीक पद्धति
11. कबीर काव्य की प्रासंगिकता

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. कबीरः संपा. विजयेंद्र स्नातक
3. कबीर की विचारधारा : डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
4. कबीर साहित्य की परंपरा : आ. परशुराम चतुर्वेदी
5. कबीर चितंन और सर्जन : संपा. आनंदप्रकाश दीक्षित
6. कबीर : एक विवेचन : डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरुण'
7. नाथ और संत साहित्य : डॉ. नागेंद्रनाथ उपाध्याय
8. हिंदी संतों का उलटबाँसी साहित्य : डॉ. रमेशचंद्र मिश्रा
9. कबीर साधना और साहित्य : डॉ. प्रतापसिंह चौहान
10. कबीर एक अनुशीलन : डॉ. रामकुमार वर्मा
11. युग पुरुष कबीर : रामचंद्र वर्मा

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - I) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN4104

Tittle of Course : विशेष साहित्यकार : कबीर

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					2	2			
CO 2									
CO 3									
CO 4		3							
CO 5									
CO 6					3	3			
CO 7					3	3			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO4- छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे ।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO1- कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।

CO6- कबीर के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत होंगे ।

CO7-हिंदी साहित्य में कबीर के महत्व से परिचित कराना।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1- कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।

CO6- कबीर के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत होंगे ।

CO7-हिंदी साहित्य में कबीर के महत्व से परिचित कराना।

CO3-कबीर की काव्य भाषा से परिचित होंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :